नहूम

1 यह नीनवे के विषय में एक दु:खद भविष्यवाणी है।
यह पुस्तक नहूम के दर्शन की पुस्तक है। नहूम
एल्कोश से था।

यहोवा नीनवे से कुपित है

2यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर है। यहोवा
अपराधी लोगों को दण्ड देता है। यहोवा अपराधी लोगों
को दण्ड देता है और यहोवा बहुत कुपित है! यहोवा
अपने शत्रुओं को दण्ड देता है। वह अपने बैरियों पर
क्रोधित रहता है।

3यहोवा धैर्यशील है, किन्तु साथ ही वह बहुत महा
सामर्थी है! और यहोवा अपराधी लोगों को दण्ड देता है।
वह उन्हें ऐसे ही छुट कर नहीं चले जाने देगा। देखों,
यहोवा दुर्जनों को दण्ड देने आ रहा है। वह अपनी शक्ति
दिखाने के लिये बवण्डरों और तूफानों को काम में
लायेगा। मनुष्य तो धरती पर मिट्टी में चलता है, किन्तु
यहोवा मेघों पर विचरता है!

4यदि यहोवा सागर को घुड़के तो सागर भी सूख
जाये। सारी ही नदियों को वह सुखा सकता है!
बाशान और कर्म्मेल की हरी-भरी भूमि सूख कर
मर जाया करती है। लबानोन के फूल मुरझा कर
गिर जात हैं।

5यहोवा का आगमन होगा और पर्वत भय से काँपेंगे
और ये पहाड़ियाँ पिघलकर बह जायेंगी। यहोवा का
आगमन होगा और यह धरती भय से काँप उठेगी।
यहजगत और जो कुछ इसमें है जो जीवित है, भय से
काँपेगा।

6यहोवा के महाकोप का सामना कोई नहीं कर
सकता, कोई भी उसका भयानक कोप नहीं सह सकता।
उसका क्रोध आग सा धधकेगा। जब वह पधारेगा तब
चट्टाने चटकेंगी।

7यहोवा संकट के काल में उत्तम है। वह सुरक्षित
शरण ऐसे उन लोगों का है जो उसके भरोसे हैं। वह
उनकी देख रेख करता है।

8किन्तु वह अपने शत्रुओं को पूरी तरह नष्ट
कर देगा। वह उन्हें बाढ़ के समान बहा कर ले
जायेगा। अंधकार के बीच वह अपने शत्रुओं का
पीछा करेगा।

9क्या तुम यहोवा के विरोध में षड़यंत्र रच रहे हो?
वह तेरा अंत कर देगा। फिर और कोई दूसरी बार
कभी यहोवा का विरोध नहीं करेगा!

10तुम्हारे शत्रु उलझे हुये काँटो से नष्ट होंगे। वे सूखी
घास जैसे शीघ्र जल जायेंगे।

11हे अश्शूर, एक व्यक्ति तुझसे ही आया है। जिसने
यहोवा के विरोध में षड़यंत्र रचे और उसने पाप पूर्ण
सलाहें प्रदान कीं।

12यहोवा ने यहूदा से ये बातें कहीं थी: "अश्शूर की
जनता पूर्ण शक्तिशाली है। उनके पास बहुतेरे सैनिक हैं।
किन्तु उन सब को ही काट फेंका जायेगा। सब का अंत
किया जायेगा। हे मेरे लोगों, मैंने तुमको बहुतेरे कष्ट
दिये किन्तु अब आगे तुम्हें और कष्ट नहीं दूँगा।

13"मैं अब तुम्हें अश्शूर की शक्ति से मुक्त करूँगा।
तुम्हारे कन्धे से मैं वह जुआ उतार दूँगा। तुम्हारी जंजीरे
जिनमें तुम बंधे हो मैं अब तोड़ दूँगा।"

14हे अश्शूर के राजा, तेरे विषय में यहोवा ने यह
आदेश दिया है: "तेरा नाम लेवा कोई भी वंशज न
रहेगा। तेरी खुदी हुई मूर्तियाँ और धातु की मूर्तियाँ मैं
नष्ट कर दूँगा जो तेरे देवताओं के मन्दिरों में रखे हुये
हैं। मैं तेरे लिये कब्र बना रहा हूँ क्योंकि तेरा अंत आ
रहा है!'

15देख यहूदा! देख वहाँ, पहाड़ के ऊपर से कोई आ
रहा है। कोई हरकारा सुसंदेश ले कर आ रहा है! देखो
वह कह रहा है कि यहाँ पर शांति है! यहूदा, तू अपने
विशेष अवकाश दिवस मना ले। यहूदा, तू अपनी मन्नते
मना ले। अब फिर कभी दुर्जन तुझ पर वार न करेंगे
और वे फिर तुझको हरा नहीं पायेंगे। उन सभी दुर्जनों
का अन्त कर दिया गया है!

नीनवे का विनाश होगा

2 नीनवे, तेरे विरुद्ध युद्ध करने को विनाशकारी आ
रहा है। सो तू अपने नगर के स्थान सुरक्षित कर
ले। राहों पर आँख रख, युद्ध को तत्पर रह, लड़ाई की
तैयारी कर! 2क्यों? क्योंकि यहोवा याकूब को महिमा
लौटा रहा है जैसे इस्राएल की महिमा। अश्शूर के लोगों
ने इस्राएल की प्रजा का नाश किया और उनकी अंगूर
की बेलें रौंद ड़ाली हैं।

3उन सैनिकों की ढाल लाल है। उनकी वर्दियाँ सुर्ख लाल हैं। उनके रथ युद्ध के लिये पंक्तिबद्ध हो गये हैं और वे ऐसे चमक रहे हैं जैसे वे आग की लपटें हों। उनके घोड़े चल पड़ने को तत्पर हैं।

4उनके रथ गलियों में भयंकर रीति से भागते हैं। वे खुले मैदानों में सुलगती मशालों से दिखते हुये वेग से पीछे और आगे को दौड़ रहे हैं । वे ऐसे लगते हैं जैसे यहाँ वहाँ बिजली कड़क रही हो!

5अश्शूर का राजा अपने उन सैनिकों को बुला रहा है जो सर्वश्रेष्ठ हैं। किन्तु वे ठोकर खा रहे हैं और मार्ग में गिरे जा रहे हें। वे नगर परकोटे पर दौड़ते हैं और वे भेदक मूसल के लिये प्राचीर रच रहे हैं

6किन्तु वे द्वार जो नदियों के निकट है, खुले हैं। शत्रु उनमें से जा रहा है और राजा के महल को ध्वस्त कर रहा है।

7देखो, यह शत्रु रानी को उठा ले जाता है और उसकी दासियाँ बिलखती हैं जैसे दुःख से भरी कपोती हों। वे अपना दुःख प्रगट करने को निज छाती पीट रहीं हैं। 8नीनवे ऐसे तालाब सा हो गया है जिस का पानी बह कर बाहर निकल रहा हो। वे लोग पुकार कर कह रहे हैं, "रुको! रुको! ठहरे रहो, कहीं भाग मत जाओ।" किन्तु कोई न ही रूकता है और न ही कोई उन पर ध्यान देताहै!

9हे सैनिको, तुम जो नीनवे का विनाश कर रहे हो! तुम चाँदी ले लो और यह सोना ले लो! यहाँ पर लेने को बहुतेरी वस्तुऐं हैं। यहाँ पर बहुत से खजाने भी हैं!

10अब नीनवे खाली है, सब कुछ लुट गया है। नगर बर्बाद हो गया है! लोगों ने निज साहस खो दिया है। उनके मन डर से पिघल रहे हैं, उनके घुटने आपस में टकराते हैं। उनके तन काँप रहे हैं, उनके मुख डर से पीले पड़ गये हैं।

11नीनवे जो कभी सिंह का माँद था, अब वह कहाँहै? जहाँ सिंह और सिंहनियाँ रहा करते थे। उनके बच्चे निर्भयथे।

12जिस सिंह ने (नीनवे के राजा ने) अपने बच्चों और मादाओं को तृप्ति देने के लिये कितने ही शिकार मारे थे। उसने माँद (नीनवे) भर ली थी। मादाओं और नरों की देहों से जिनको उसने मारा था।

13सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "नीनवे, मैं तेरे विरुद्ध हूँ! मैं तेरे रथो को युद्ध में जला दूँगा। मैं तेरे 'जवान सिंहों' की हत्या करूँगा। तू फिर कभी इस धरती पर कोई भी अपना शिकार नहीं मार पायेगा। लोग फिर कभी तेरे हरकारों को नहीं सुनेंगे।"

नीनवे के लिये बुरा समाचार

3 उस हत्यारों के नगर को धिक्कार है। नीनवे, ऐसा नगर है जो झूठों से भरा है। यह दूसरे देशों के लूट के माल से भरा है। यह उन बहुत सारे लोगों से भरा है जिनका उसने पीछा किया और जिन्हे इसने मार डाला है!

2देखो, कोड़ों की फटकार, पहियों का शोर, और घोड़ों की टापें सुनाई दे रही हैं, और साथ-साथ उछलते रथों का शब्द सुनाई दे रहा है!

3घुड़सवार हमला कर रहे हैं और उनकी तलवारें चमक रही हैं, उनके भाले चमचमाते हैं! कितने ही लोग मरे हुये हैं, लाशों के ढ़ेर लग गये हैं, अनगिनत लाशें फैली हैं। लोग मुर्दो पर गिर-गिर कर चल रहे हैं!

4यह सब कुछ नीनवे के कारण घटा है। नीनवे उस वेश्या सी है जो कभी तृप्ति नहीं होती, उसको और अधिक, और अधिक चाहिए था। उसने अपने को बहुत सारे देशों को बेच दिया था और उसने उनको अपना दास बनाने को जादू चलाया था।

5सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "हे नीनवे, मैं तेरे विरुद्ध हूँ। मैं तेरे वस्त्र तेरे मुँह तक ऊपर उठा दूँगा। तेरी नग्न देह को मैं सारे देशों को दिखा दूँगा। वे सारे राज्य तेरी लाज को देखेंगे।

6"मैं तेरे ऊपर घिनौनी वस्तु फेंक दूँगा। मैं तुझ से घृणा के साथ बर्ताव करूँगा। लोग तुझ को देखेंगे और तुझ पर हँसेंगे।

7"जो कोई भी तुझ को देखेगा तुझ से दूर भागेगा। हे नीनवे, मुझ को इसका पता है कि कोई ऐसा नहीं है जो तुझ को सुख चैन दे।"

8नीनवे, क्या तू नील नदी के तट पर बसी अमोन से उत्तम है? नहीं! अमोन के चारों ओर भी पानी हुआ करता था। अमोन इस पानी का इस्तेमाल स्वयं को शत्रु से बचाने के लिये खाई के रूप में किया करता था। इस पानी का उपयोग वह एक परकोटे के रूप में भी करता था। 9कूश और मिस्र ने अमोन को बहुत शक्ति प्रदान की थी। उसे पूत और लूबी का भी समर्थन प्राप्त था। 10किन्तु अमोन हार गया। उसके लोगों को बंदी बना कर किसी पराये देश में ले जाया गया। गली के हर नुक्कड़ पर सैनिकों ने उसके छोटे बच्चों को पीट-पीट कर मार डाला। उन्होंने पासे फेंक-फेंक कर यह देखा कि किस महत्वपूर्ण व्यक्ति को कौन अपने यहाँ दास बना कर रखे। अमोन के सभी महत्वपूर्ण पुरुषों पर उन्होंने जंजीरें डाल दी थीं।

11"सो नीनवे, तेरा भी किसी नशे में धुत्त व्यक्ति के समान, पतन होगा! तू छिपता फिरेगा। शत्रु से दूर, तू कोई सुरक्षित स्थान ढूँढ़ता फिरेगा। 12किन्तु नीनवे, तेरी सभी मज़बूत गढ़ियाँ अंजीर के पेड़ों सा हो जायेंगी। नयी अंजीरें पकतीं है, एक व्यक्ति आता है, और पेड़ को झकझोर देता है। अंजीरें उस व्यक्ति के मुख में गिरती हैं और वे उन्हें खाता है, और वे समाप्त हो जाती हैं!

13नीनवे, तेरे लोग तो स्त्रियों जैसे हैं और शत्रु के
सैनिक उन्हें ले लेने के लिये तैयार बैठे हैं। तेरी धरती
के द्वार खुले पड़े हैं कि तेरा शत्रु भीतर आ जाये। तेरे
द्वारों में लगी लकड़ी के आँगल को आग ने जलाकर
नष्ट करदिया है।
14तू पानी इकट्ठा कर और उसे अपने नगर के
भीतर जमा कर ले। क्योंकि शत्रु के सैनिक तेरे नगर
को घेर लेंगे। वे नगर के भीतर किसी भी व्यक्ति को
खाना–पीना नहीं लाने देंगे। अपनी सुरक्षा को मज़बूत
बना! और अधिक ईंटें बनाने के लिये मिट्टी ले! गारा
बना और ईंटें बनाने के लिए साँचे ले। 15तू यह सब
काम कर सकता है किन्तु फिर भी आग तुझे पूरी तरह
नष्ट कर देगी और तलवार तुझे मार डालेगी। तेरी
धरती ऐसी दिखाई देगी जैसे उस पर कोई टिड्डी दल
आया हो और सब कुछ चट कर गया हो।
नीनवे, तू बढ़ता ही चला गया। तू एक टिड्डी दल के
जैसा हो गया। तू टिड्डी का झुण्ड बन गया। 16तेरे यहाँ
अनेकानेक व्यापारी हो गये जो अनेक स्थानों पर जा
कर वस्तुएँ खरीदा करते थे। वे इतने अनगिनत हो गये
जितने आकाश में तारे हैं! वे उस टिड्डी दल के जैसे हो
गये, जो खाता है और सब कुछ को उस समय तक
खाता रहता है जब तक वह समाप्त नहीं हो जाती और
फिर छोड़ कर चला जाता है। 17तेरे सरकारी हाकिम
भी टिड्डियों जैसे ही हैं। ये उन टिड्डियों के समान हैं जो
ठण्डे के दिन एक चट्टान पर बैठ जाती है, किन्तु जब
सूरज चढ़ने लगता है और चट्टान गर्म होने लगती है तो
वह कहीं दूर उड़ जाती है। कोई नहीं जानता, वे कहाँ
चली गयीं! तेरे हाकिम भी ऐसे ही होंगे। 18हे अश्शूर के
राजा, तेरे चरवाहे (मुखिया) सो गये। वे शक्तिशाली
पुरुष नींद में पड़े हैं। और तेरी भेड़ें (प्रजा) अब पहाड़ों
पर भटक रही हैं। उन्हें वापस लाने वाला कोई नहीं है।
19नीनवे, तू बुरी तरह घायल हुआ है और ऐसा कुछ
नहीं है जो तेरे घाव को भर सके। हर कोई जो तेरे
विनाश के समाचार को सुनता है, तालियाँ बजाता है। वे
सब प्रसन्न हैं! क्योंकि उन सब ने उस पीड़ा का अनुभव
किया है, जिसे तू सदा उन्हें पहुँचाया करता था!

Bible League International and its Global Partners provide Scriptures for millions of people who still do not have the life-giving hope found in God's Word. Every purchase of an Easy-to-Read Translation™ enables the printing of a Bible for a person who needs God's Word somewhere in the world. To provide even more Scriptures for more people, please make a donation at www.bibleleague.org/donate or contact us at Bible League International, 1 Bible League Plaza, Crete, IL 60417, USA. Bible League International exists to develop and provide Easy-to-Read Bible translations and Scripture resources for churches and partners as they help people meet Jesus.

Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™)
© 1995 Bible League International

Maps, Illustrations © Bible League International

Additional materials © Bible League International

All rights reserved.

This copyrighted material may be quoted up to 1000 verses without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. This copyright notice must appear on the title or copyright page:

> Taken from the Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™) © 1995 Bible League International and used by permission.

When quotations from the ERV are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials (ERV) must appear at the end of each quotation. Requests for permission to use quotations or reprints in excess of 1000 verses or more than 50% of the work in which they are quoted, or other permission requests, must be directed to and approved in writing by Bible League International.

God's Word. Local Church. Global Strategy.™

Bible League International
1 Bible League Plaza
Crete, IL 60417, USA
Phone: 866–825–4636
Email: permissions@bibleleague.org
Web: www.bibleleague.org

B-HIN-89800: ISBN: 978-1-935189-80-0 **B-HIN-89992: ISBN: 978-1-935189-99-2**
B-HIN-07536: ISBN: 978-1-61870-753-6 **B-HIN-61738-POD: ISBN: 978-1-62826-173-8**

Free downloads: www.bibleleague.org/downloads